पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक : सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 अंक : डिजिटल बीकानेर : शुक्रवार 26 जून 2026 पृष्ठ : 4 मूल्य : 1.00 रुपया

वेनेजुएला में 2 विनाशकारी भूकंप

60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा, अब तक

164 की मौत, 971 घायल

नई दिल्ली एजेन्सी। वेनेजुएला में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे। ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे।अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं।

दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया।

अमेरिकी देशों के संगठन का मदद का भरोसा

ऑर्गनाइजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स (OAS) के महासचिव अलबर्ट रामदीन ने वेनेजुएला में आए भूकंप को लेकर दुख जताया। उन्होंने कहा कि अभी भी हमें काफी नुकसान की जानकारी नहीं है, लेकिन पूरे गोलार्ध का समुदाय वेनेजुएलाई समुदाय के साथ खड़ा है। हम हर तरह की मदद करेंगे।

इंजीनियर बोला- ऐसा लगा पूरा घर गिर जाएगा

वेनेजुएला के कराकस में रहने वाले 38 वर्षीय इंजीनियर जीसस अलेजांद्रो पीना ने भूकंप के दौरान का खौफनाक मंजर बताया। उन्होंने कहा कि करीब एक मिनट तक आए झटकों में ऐसा लगा कि पूरा घर ढह जाएगा। घर का सामान गिरने लगा और हर तरफ चीख-पुकार मच गई।

पीना सात मंजिला इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि भूकंप इतना तेज था कि खिड़कियों के शीशे टूट गए। दीवार पर लगी तस्वीरें और टीवी नीचे गिर गए। इमारत के कॉलम और छत के हिस्से भी क्षतिग्रस्त हो गए।

राजधानी कराकस में लोगों ने सड़कों पर रात बिताई

भूकंपों के बाद राजधानी कराकस में सैकड़ों लोगों ने पूरी रात सड़कों पर बिताई। कई लोगों के घर भूकंप में क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बड़ी संख्या में लोग लगातार आ रहे आफ्टरशॉक के डर से अपने घरों में लौटने की हिम्मत नहीं जुटा सके। कई परिवार बच्चों और जरूरी सामान के साथ खुले मैदानों और सड़कों पर रातभर डटे रहे। लोगों को आशंका है कि क्षतिग्रस्त इमारतें किसी भी समय गिर सकती हैं। भूकंप के बाद लगातार आफ्टरशॉक महसूस किए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

प्रेसिडेंट की अपील- लापता लोगों, टूटे घरों की जानकारी वेनएप पर दें

वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने लोगों से अपील की है कि लापता लोगों और टूटे घरों की जानकारी वेनएप पर दें। वेनेजुएला का वेनएप थोड़ा विवादित रहा है। यह पहले सामाजिक और राजनीतिक रूप से नियंत्रण रखने के रूप में इस्तेमाल होता था। वेनएप 2022 में लोगों की शिकायतों के मकसद से लॉन्च किया गया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 2024 में इसका इस्तेमाल सरकार विरोधी आंदोलनों की जानकारी लेने में किया। इसके बाद एप को गूगल प्ले स्टोर और एपल द्व्हस्र ने हटा दिया था।

पीएम मोदी बोले- वेनेजुएला की हरसंभव मदद को तैयार भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप पर गहरा दुख जताया है। मोदी ने ङ्ग पर लिखा कि भारत इस मुश्किल समय में वेनेजुएला के लोगों के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को कहा धन्यवाद

वेनेजुएला में आए भीषण भूकंप से उत्पन्न मानवीय संकट के बीच भारत ने राहत और बचाव प्रयासों में हरसंभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से व्यक्त संवेदना और सहायता के आश्वासन का वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने स्वागत किया। उन्होंने भारत के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजस्थान सहित 16 राज्यों में सीबीआई की रेड

डिजिटल अरेस्ट के 200 केस में गिरोह पर शिकंजा; 80 से ज्यादा ठिकानों पर छापे

नई दिल्ली एजेन्सी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से राजस्थान सहित 16 राज्यों में रेड डाली गई। डिजिटल अरेस्ट गिरोह पर शिकंजा कसते हुए 80 से ज्यादा ठिकानों पर गुरुवार सुबह छापेमारी की गई। सीबीआई ने गिरोह के दो बदमाशों को अरेस्ट किया है।

सीबीआई के मुताबिक- राजस्थान सहित देश के 16 राज्यों में एक साथ कार्रवाई करते हुए 80 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की। ऑपरेशन चक्र-6 के तहत गठित 60 विशेष टीमों ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। सीबीआई रेड की कार्रवाई डिजिटल अरेस्ट ठगी के 200 से अधिक मामलों में जुड़े नेटवर्क को तोड़ने के लिए की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी शेल कंपनियां बनाकर और फेक (म्यूल) बैंक अकाउंट संचालित कर साइबर फ्रॉड की करीब 2 करोड़ रुपए की अवैध कमाई को ठिकाने लगा रहे थे। मामले में चेन्नई और कोलकाता से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार- इस नेटवर्क के बदमाशों की ओर से भारत के साथ अन्य देशों के लोगों को भी निशाना बनाने की संभावना है। संबंधित देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी इसकी जानकारी दी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट से मिलता बनाया था फेक डोमेन

जांच एजेंसी ने बताया- हाल ही सुप्रीम कोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट से मिलता-जुलता एक फेक डोमेन भी सामने आया था। फ्रॉड गैंग इसी वेबसाइट का यूज कर लोगों को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर ठगी करते थे। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री की शिकायत पर CBI ने FIR दर्ज कर जांच शुरू की थी। टेक्निकल जांच और फोरेंसिक एनालिसिस के बाद CBI ने देश और विदेश में फैले इस साइबर नेटवर्क के इम्पोटेंट लिंक की पहचान की थी। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी अदालतों और विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के नाम से फेक आदेश और डॉक्यूमेंट तैयार कर पीड़ितों को असली कार्रवाई का झांसा देते थे। छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन और बैंक लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। इनकी फोरेंसिक जांच जारी है।

केरल में 5 साल से कम उम्र के 19.8 लाख बच्चों को दी जाएगी पोलियो की दवा

तिरुवनंतपुरम, एजेन्सी। केरल के पोलियो-मुक्त दर्जे को बनाए रखने की बड़ी कोशिश के तहत 28 जून को पूरे राज्य में 'पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान' शुरू किया जाएगा। इस अभियान में 5 साल से कम उम्र के लगभग 20 लाख (19.8 लाख) बच्चों को शामिल किया जाएगा। स्वास्थ्य और देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा है कि अभियान की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने माता-पिता और अभिभावकों से अपील की है कि वे यह सुनिश्चित करें कि रविवार को हर पात्र बच्चे को जीवन बचाने वाली ओरल पोलियो वैक्सीन (मुंह से दी जाने वाली दवा) मिले। राज्य-स्तरीय उद्घाटन समारोह तिरुवनंतपुरम के थायकाड स्थित 'मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल' में सुबह 8 बजे होगा। परिवहन मंत्री सी. पी. जॉन इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में सांसद शशि थरूर, तिरुवनंतपुरम के मेयर वी. वी. राजेश और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इस अभियान के दौरान पांच साल से कम उम्र के कुल 1,980,224 बच्चों को कवर किए जाने की उम्मीद है। इसे पूरा करने के लिए, स्वास्थ्य विभाग ने पूरे राज्य में 22,288 वैक्सीनेशन बूथ बनाए हैं और 46,663 प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

सांसद ने राममंदिर जमीन घोटाले के सबूत एसआईटी को दिए

संजय सिंह ने 12 मिनट में एसआईटी अध्यक्ष को 11 सबूत सौंपे; पूछा- अब तक एफआईआर क्यों नहीं हुई

अयोध्या एजेन्सी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी को आप सांसद संजय सिंह ने जमीन घोटाले से जुड़े सबूत दिए। संजय सिंह गुरुवार सुबह 11 बजे लखनऊ में SIT के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत के ऑफिस पहुंचे। वे करीब 12 मिनट कमरे में रुके।

संजय सिंह ने बाहर आकर कहा- राम मंदिर में जमीन घोटाले के 11 कागजात मैंने एसआईटी को सौंपे हैं। उन्होंने कहा- एक-एक कर सब सामने आ रहा है। पैसे की बरामदगी हो चुकी है, चढ़ावे में चोरी के तमाम साक्ष्य मिल चुके हैं। फिर भी अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया? किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? कोई एफआईआर अब तक क्यों दर्ज नहीं हुई? यह बेहद हैरान करने वाली बात है।' दरअसल, संजय सिंह ने दावा किया था कि उनके पास अयोध्या में जमीन घोटाले से जुड़े सबूत हैं। इसके बाद स्ढ्ढञ्ज के प्रमुख कुमार विश्वास पंत ने उन्हें सबूत के साथ बुलाया था।

संत राजूदास बोले- केजरीवाल 'कालनेमि' की भूमिका में

हनुमानगढ़ी के संत राजूदास ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने केजरीवाल को 'कालनेमि' बताते हुए कहा- कुछ लोग अयोध्या आकर राजनीति करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि मामले की जांच अभी जारी है। राम मंदिर में चढ़ावे और कथित अनियमितताओं को लेकर एसआईटी जांच कर रही है। ऐसे समय में किसी भी व्यक्ति को बिना जांच रिपोर्ट आए, आरोप-प्रत्यारोप नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा- कुछ लोग जानबूझकर भ्रम फैलाने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जो लोग आज राम मंदिर के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं, वही पहले मंदिर निर्माण का विरोध करते थे। 'ये वही लोग हैं जो राम मंदिर नहीं बनने देना चाहते थे। अब जब मंदिर बन गया है तो वे अलग-अलग माध्यमों से विवाद खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं।' अयोध्या आस्था और मर्यादा की नगरी है। यहां आने वाले सभी लोगों को धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। राजूदास ने अपील की कि एसआईटी की जांच पूरी होने और रिपोर्ट आने तक कोई भी अनर्गल प्रलाप या राजनीतिक बयानबाजी न करे। सत्य सामने आने तक सभी को संयम और धैर्य बनाए रखना चाहिए।

गहलोत बोले- डोटासरा पर लगाए आरोप सरासर झूठे: कहा-किरोड़ी पर आरोप लगे तो तिलमिला गए, कह रहे हैं-सीएम के दबाव में एसीबी उन्हें फंसा रही है

जयपुर कासं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत और उनके कुछ समर्थक नेता कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के समर्थन में खुलकर उतर गए हैं। गहलोत ने कृषि मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ बयान जारी कर डोटासरा का पक्ष लिया है। गहलोत ने डोटासरा पर लगाए गए आरापों को सरासर झूठा बताया है।

गहलोत ने एक्स पर लिखा- डॉ किरोड़ीलाल मीणा सरकार बनने से पहले और अब मंत्री रहते हुए भी हम सब पर लगातार आरोप लगाते घूम रहे हैं, पर इनका एक भी आरोप किसी पर सिद्ध नहीं हुआ है।

भाजपा सरकार आने के ढ़ाई साल में इनके सब आरोप हवा में उड़ चुके हैं। अब इन पर आरोप लग गए तो ये तिलमिला गए हैं और बयान दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री के दबाव में एसीबी उन्हें फंसा रही है। अब वे जनता के सामने पूरी तरह एक्सपोज हो गए हैं।

खुद को घिरता देख किरोड़ी डोटासरा पर झूठे आरोप लगा रहे

गहलोत ने लिखा- खुद को घिरता देख इस सब से ध्यान भटकाने के लिए किरोड़ी लाल मीणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर अनर्गल और सरासर झूठे आरोप लगाना रहे हैं। यह उनकी हताशा को साफ दर्शाता है। जनता सब देख रही है, इस झूठ की राजनीति का अंत निश्चित है।

डोटासरा पर आरापों से हमारी पार्टी में रिएक्शन, पार्टी अध्यक्ष की प्रतिष्ठा होती है : गहलोत

जोधपुर में मीडिया से बातचीत में भी किरोड़ी पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा- राजनीति में झूठे आरोप नहीं लगाए जाते हैं। अगर आपके पास तथ्य है, तो उस पर बात करो। किरोड़ी मीणा जब सरकार में नहीं थे, तब भी वो लगातार आरोप लगाते थे। आपने तो देखा वो लगातार आंदोलन करते रहते हैं। वो एक अलग किस्म के प्राणी हैं।

गहलोत ने कहा कि किरोड़ी लाल मीणा पहले भी आरोप लगाते थे, अब भी लगा रहे हैं, जो कि अनावश्यक है। पार्टी अध्यक्ष की एक अलग प्रतिष्ठा होती है। उस पर आप बार-बार चोट कर रहे हो, बिना तथ्यों के आरोप लगा रहे हो,तो आप बताइए कि पार्टी में रिएक्शन होगा? हमारी पार्टी में रिएक्शन है। डोटासरा को खुद को लगता है भाई ये क्या आरोप लगा रहा है वो भी बिना तथ्यों के? हम सब को लगता है। ये किरोड़ी को खुद को सोचना चाहिए।गहलोत ने कहा- छापे डाल रहे हैं और छापे के साथ जो लोग जाते हैं वो वसूली करते हैं वो। ये तो प्रूव हो गया है। जब प्रूव हो गया है तो कहते हैं कि एसीबी भी दबाव में काम कर रही है।

आपातकाल संविधान पर सीधा आघात था: मोदी

नई दिल्ली एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल को संविधान पर सीधा हमला बताते हुए उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी है जिन्होंने उस समय लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़तापूर्वक रक्षा की थी। मोदी ने गुरुवार को देशभर में मनाए जाने वाले संविधान हत्या दिवस का उल्लेख करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा,' आज, हम उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने भारत के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्यायों में से एक, आपातकाल, के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़तापूर्वक रक्षा की। आपातकाल हमारे संविधान पर सीधा आघात था। इस दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं का निलंबन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, राजनीतिक नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारियाँ तथा उन संस्थाओं पर प्रहार देखने को मिला जो हमारे लोकतंत्र की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि इसने असंख्य नागरिकों के असाधारण साहस को भी उजागर किया, जिन्होंने मौन रहने से इनकार किया और संविधान में निहित आदर्शों को बनाए रखा। प्रधानमंत्री ने कहा कि द्य सभी के लिए संविधान 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा, 'हम संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हैं। अपने संविधान की भावना से प्रेरित होकर, हम ऐसे भारत का निर्माण करेंगे जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति सदैव समर्पित रहेगा।' मोदी ने कहा कि संविधान हत्या दिवस हमें उस काले दौर की याद दिला रहा है, जब भारतीय लोकतंत्र को बुरी तरह से कुचला गया था। यह हमें लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहने को प्रेरित करता है। आपातकाल का विरोध करने वाली सभी विभूतियों को सादर नमन।' संविधान हत्या दिवस हर साल 25 जून को मनाया जाता है। सरकार ने 1975 में इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल के विरोध में इसे मनाने की शुरुआत की थी।

मानसून 2026: संभावित बाढ़ एवं अतिवृष्टि से निपटने के लिए जिला प्रशासन अलर्ट, आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध उपलब्धता के निर्देश

बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। मानसून 2026 के दौरान संभावित बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा आमजन को आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला कलेक्टर निशांत जैन तथा जिला रसद अधिकारी श्री नरेश शर्मा द्वारा विभिन्न विभागों, संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों एवं सेवा प्रदाताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

जिला कलेक्टर निशांत जैन ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे 30 सितंबर 2026 तक प्रत्येक पेट्रोल पंप पर न्यूनतम 2000 लीटर डीजल एवं 1000 लीटर पेट्रोल का आरक्षित स्टॉक बनाए रखें। इसी प्रकार जिले की सभी घरेलू गैस एजेंसियों को अपने अधिकृत गोदामों में 25 घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों का आरक्षित भंडारण रखने के आदेश दिए गए हैं, ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावित क्षेत्रों में ईंधन एवं गैस की आपूर्ति बाधित न हो।

ज़िला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आवंटित खाद्यान्न का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने तथा आवश्यकतानुसार वितरण व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही खाद्यान्न परिवहन से जुड़ी संस्थाओं एवं बीकानेर सहकारी उपभोक्ता होलसेल भंडार लिमिटेड को खाद्य सामग्री, खाद्य तेल, दवाइयों तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं का पर्याप्त स्टॉक सुरक्षित रखने को कहा गया है।

डीएसओ ने बताया कि फल-सब्जी मंडी प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि संभावित आपदा की स्थिति में फल-सब्जियों की नियमित आपूर्ति बनाए रखी जाए। इसके लिए सभी विक्रेताओं एवं थोक व्यापारियों से समन्वय स्थापित कर आलू, प्याज एवं अन्य आवश्यक सब्जियों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला रसद अधिकारी ने सभी प्रवर्तन अधिकारियों एवं निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की उचित मूल्य दुकानों एवं गोदामों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि भवनों में सीलन, रिसाव अथवा जलभराव जैसी स्थिति न हो, जिससे खाद्यान्न को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे। निरीक्षण उपरांत प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करें। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि बाढ़ अथवा अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से न्यूनतम पांच व्यापारियों एवं दुकानदारों को चिन्हित कर आवश्यक खाद्य सामग्री किट तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा प्रत्येक क्षेत्र में कम से कम पांच हलवाई एवं कैटरर्स की सूची तैयार की जाएगी, जो आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों के लिए तत्काल भोजन तैयार कर निर्धारित स्थानों तक पहुंचा सकें।

जिला प्रशासन ने विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं से भी सहयोग का आह्वान किया है। ऐसे संगठनों को राहत सामग्री वितरण, भोजन पैकेट उपलब्ध कराने तथा अन्य मानवीय सहायता गतिविधियों में प्रशासन का सहयोग करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि मानसून अवधि के दौरान सभी संबंधित विभाग, संस्थाएं एवं सेवा प्रदाता आपसी समन्वय बनाए रखते हुए आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में आमजन को राहत पहुंचाने में कोई बाधा न आए। प्रशासन द्वारा समस्त तैयारियों की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की समीक्षा बैठक : जिला कलेक्टर ने दिए निर्देश

प्रवासी बीकानेर वासियों और भामाशाहों को जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए करें प्रेरित

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। जिला कलेक्टर निशान्त जैन ने कहा कि 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' राज्य सरकार का महत्ती अभियान है। इसके तहत जिले में जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण एवं रखरखाव के लिए अधिक से अधिक प्रवासी बीकानेर वासियों तथा भामाशाहों को प्रोत्साहित किया जाए।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि जिले में भू-जल स्तर को बनाए रखना तथा इसके पुनर्भरण की दिशा में राज्य सरकार के निर्देशानुसार सतत कार्य किया जा रहा है। इस दिशा में देश और दुनिया में रहने वाले प्रवासी बीकानेर वासियों और स्थानीय भामाशाहों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे की अगुवाई में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा द्वारा यह वीडियो कॉन्फ्रेंस शीघ्र की जाए। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत रिचार्ज सॉफ्ट और रिचार्ज पिट बनाए जाने हैं द्य अभियान के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी ली। वहीं 'जल संचय जन भागीदारी अभियान' के 1 जून से शुरू हुए तीसरे चरण के तहत किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करने के साथ इससे जुड़े कार्यों को पोर्टल पर अपलोड भी किया जाए। अभियान के तहत पूर्ण कार्यों को अपलोड करने के निर्देश दिए। उल्लखेनीय है कि जल संचय, जन भागीदारी अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में कुल 56 हजार 625 तथा नगर पालिकाओं में 10 हजार, बीकानेर नगर निगम क्षेत्र में 1 हजार 878 सहित कुल 68 हजार रिचार्ज स्ट्रक्चर तैयार किए जाने हैं। बैठक में नगर निगम उपायुक्त श्रीमती दमयंती कंवर, अधीक्षण अभियंता वाटर महेश अजाडीवाल सहित, भूजल विभाग से डॉ. शंकर लाल सोनी, जलदाय विभाग के नरेश कुमार सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

फर्टीलाइजर सेल्स एप्लीकेशन सिस्टम (एफएसएएस) का हुआ शुभारम्भ

एप के माध्यम से होगा अनुदानित उर्वरकों का वितरण, किसानों को नहीं लगना पड़ेगा कतारों में

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राजसमंद और सिरोही जिलों को किया गया है चयनित

राजसमंद/बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। कृषि विभाग के आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र राजसमन्द में आयोजित कार्यक्रम में फर्टीलाइजर सेल्स एप्पलीकेशन सिस्टम (एफएसएएस) का शुभारम्भ किया। इस अभिनव व्यवस्था को फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राजसमंद एवं सिरोही जिलों में लागू किया गया है।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को पारदर्शी, सुगम एवं तकनीक आधारित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार त्रिलोक कुमार जोशी ने बताया कि एफएसएएस प्रणाली के माध्यम से किसानों को उनकी फार्मर आईडी के आधार पर अनुदानित उर्वरकों का वितरण किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राजसमंद में सिरोही जिले का चयन किया गया है अन्य जिलों को इस योजना में शीघ्र ही सम्मिलित किया जाना है। इससे उर्वरक वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी तथा वास्तविक किसानों तक समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।एफएसएएस के माध्यम से आदान विक्रेताओं के उर्वरक स्टॉक की रियल टाइम निगरानी संभव होगी, जिससे स्टॉक उपलब्ध नहीं होने के बहाने, जमाखोरी तथा कालाबाजारी जैसी अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जोशी ने बताया कि अब किसान अपने मोबाइल फोन के माध्यम से उर्वरक की बुकिंग कर सकेंगे तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन्हें खाद की आपूर्ति पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित कराई जाएगी। इससे किसानों को खाद लेने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा तथा समय और श्रम दोनों की बचत होगी। साथ ही उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अनियमित वितरण पर भी प्रभावी रोक लग सकेगी। तकनीक आधारित यह पहल किसानों को सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे उर्वरक वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों को समय पर आवश्यक कृषि आदान उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने किसानों से इस प्रणाली का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी पहल: उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि वस्तुतः फर्टीलाइजर सेल्स एप्पलीकेशन सिस्टम (एफएसएएस) उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। फर्टीलाइजर सेल्स एप्पलीकेशन सिस्टम (एफएसएएस) को कृषि क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल है। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित यह नवाचार किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता से जुड़ी पारंपरिक समस्याओं से राहत दिलाएगा तथा वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और जवाबदेह बनाएगा।

विधिक माप विज्ञान विभाग की टोल प्लाजा और निजी धर्मकांटों पर औचक कार्यवाही : अनियमितता पर लगाया 14 हजार रुपए जुर्माना

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। खाद्य, नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा विधिक माप विज्ञान अधिनियम-2009 तथा राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम-2011 के तहत जिले में लगातार दो दिन सघन कार्यवाहियां की गईं।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी दीपक पूनिया ने बताया कि इस दौरान एनएचएआई एवं राजस्थान राज्य परिवहन टोल प्लाजा धर्मकांटों तथा निजी धर्मकांटों पर औचक निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। अभियान के लिए गठित विभागीय जांच दल द्वारा पूनिया के नेतृत्व में 10 जगहों पर धर्मकांटों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पारवा टोल प्लाजा नोखा रोड, उदयरामसर टोल प्लाजा, गाढ़वाला टोल प्लाजा-नापासर रोड, श्री करणी कृपा धर्म कांटा देशनोक, श्री बालाजी धर्म कांटा मूंडसर, चौधरी कंप्यूटराइज्ड धर्म कांटा मूंडसर पर विभिन्न अनियमितताएं पाई गईं। इन पर कुल चौदह हजार रुपए जुर्माना लगाया गया। टोल प्लाजा के इन मोशन धर्मकांटों के असत्यापित पाए जाने से अवैध ओवरलोडिंग कलेक्शन की आशंका बनी रहती है। इसके मद्देनजर सभी टोल प्लाजा प्रबंधकों को इन मोशन धर्म कांटा सत्यापित करने के लिए पाबंद किया गया। जबकि चरण धर्म कांटा देशनोक, नेहड़ जी माइन्स एंड मिनरल प्राइवेट लिमिटेड धर्मकांटा सही रूप से सत्यापित पाए गए। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में भी टोल प्लाजा एवं निजी धर्मकांटों की नियमित जांच जारी रहेगी। इस दौरान दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूनिया ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करना तथा वाहन चालकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करवाना है।

नोखा में बंद मकान से लाखों के जेवरात चोरी

किसी काम से बाहर गया था परिवार, लौटे तो ताला टूटा मिला!

नोखा। नोखा थाना क्षेत्र की कानपुरा बस्ती में एक बंद मकान से लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी हो गए। अज्ञात चोरों ने मकान के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले जांच शुरू की। पीड़ित इंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया - वे पारिवारिक कार्य से अपने किराए के मकान को बंद कर बाहर गए हुए थे। बुधवार शाम को लौटने पर उन्होंने घर के दरवाजे के ताले और कुंडी टूटी हुई पाई। घर के अंदर कमरों का सामान बिखरा हुआ था और अलमारी के लॉक भी टूटे हुए थे। चोर लगभग 4 किलोग्राम चांदी के आभूषण और सोने के जेवरात ले गए। चोरी हुए सामान में बेटी के हाथों और पैरों के कड़े, कानों के टॉप्स, झुमके, दो जोड़ी पायल, दो चांदी के कमर कंदोरे, चार जोड़ी बिछिया, चांदी के सिक्के और माथे की रखड़ी जैसे कीमती आभूषण शामिल हैं।

एक के बाद एक तीन वाहन भिड़े, बड़ा हादसा टले

बीकानेर (खबर आस पास)। श्रीडूंगरगढ़ में नेशनल हाईवे पर हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे है। पिछले एक पखवाड़े से आधा दर्जन से ज्यादा सड़क हादसे हो चुके है। जिसमें करीब दस जनों ने अपनी जान भी गंवा दी थी। बुधवार रात को भी कितासर के पास बतीन वाहनों में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए है। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

एक के बाद एक भिड़ती गई कारें

हाईवे पर एक आई-20 कार और फॉर्च्यूनर की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। टक्कर इतनी तेज थी कि फॉर्च्यूनर संभल पाती, उससे पहले पीछे से आ रही एक अन्य कार भी उससे जा टकराई। देखते ही देखते तीनों वाहन हादसे की चपेट में आ गए।फॉर्च्यूनर में सवार तीन जने सालासर में बालाजी के दर्शन करके वापस लौट रहे थे। हादसे के दौरान वाहनों में सवार लोगों को मामूली चोटें आईं, लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। तीनों वाहनों में आठ जने सवार थे और सभी सुरक्षित हैं।

कुछ देर प्रभावित रहा यातायात

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और हाईवे पर यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन सभी सवार सुरक्षित बाहर निकल आए। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अयोध्या में राम मंदिर दान गबन और चोरी मामले में एफआईआर दर्ज

अयोध्या (खबर आस पास)। राम मंदिर से जुड़े कथित दान गबन और चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य श्रीकृष्ण मोहन की शिकायत पर कोतवाली रामजन्मभूमि थाना पुलिस ने 8 से अधिक लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार, इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को सौंप दी है। रिपोर्ट में लगाए गए कई गंभीर आरोपों की पुष्टि होने की बात कही जा रही है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जांच के दायरे में मंदिर में प्राप्त दान राशि के प्रबंधन तथा अन्य वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े पहलुओं को भी शामिल किया गया है। पुलिस और जांच एजेंसियां मामले से जुड़े दस्तावेजों एवं रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाएगी तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटनाक्रम के बाद राम मंदिर प्रशासन और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

फिलहाल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है।

देशनोक में ठेकेदार की मनमानी: 10 दिन से प्यासा कस्बा, लाइन तोड़कर पलायन, प्रशासन मौन

(खबर आस पास)

देशनोक/बीकानेर (मुकेश रामावत): देशनोक के लोग पिछले 10 दिनों से पानी के लिए तरस रहे हैं। आरोप है कि एक ठेकेदार फर्म निर्माण के नाम पर बार-बार पेयजल लाइन तोड़ देती है और फिर काम छोड़कर चली जाती है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक ठेकेदार की लापरवाही से हर बार 10-15 दिन तक पूरी सप्लाई ठप हो जाती है। अभी कस्बे के मुख्य इलाके की पानी व्यवस्था 10 दिन से बंद पड़ी है।

प्रशासन पर 'रसूख' का आरोप

आमजन का सवाल है कि कोई भी विभाग ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा।

निज हित... रसूख का खौफ... या कुछ और

देशनोक में सेवा शिविर चल रहा है, पर बिजली-पानी जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही। विभागों के 'नरम रवैये' से सरकार की छवि धूमिल हो रही है। पीड़ित जनता अब प्रशासन से ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई और तुरंत पानी बहाल करने की मांग कर रही है।

जयपुर: राजस्थान में अगले 24 घंटे भारी! 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, IMD ने दी चेतावनी

जयपुर **(खबर आस पास)**: राजस्थान में मानसून अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। मौसम विभाग (IMD) के अनुसार अगले 24 घंटे राज्य के कई हिस्सों के लिए भारी रह सकते हैं। जयपुर, अजमेर, भरतपुर और कोटा समेत 30 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं जून के आखिरी सप्ताह और जुलाई के पहले सप्ताह में बारिश की गतिविधियां और तेज होने की संभावना जताई गई है।

30 जिलों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट:

मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी राजस्थान में मानसून सक्रिय होने लगा है। जयपुर, अजमेर, भरतपुर और कोटा संभाग के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

जयपुर-अजमेर में बदलेगा मौसम:

राजधानी जयपुर में दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। कई इलाकों में बूंदाबांदी या हल्की बारिश के आसार हैं। वहीं अजमेर जिले में भी बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना जताई गई है।

कोटा और भरतपुर में भी बरसेंगे बादल:

कोटा और भरतपुर संभाग में आज बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हो सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

जुलाई के पहले सप्ताह में होगी अच्छी बारिश:

ढ्ढस्ठ के अनुसार अगले 4 से 5 दिनों में मानसून के और सक्रिय होने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। जून के अंतिम दिनों से लेकर जुलाई के पहले सप्ताह तक राज्य के कई जिलों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

श्रीगंगानगर रहा सबसे गर्म:

पिछले 24 घंटों में Sri Ganganagar राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं नागौर, सीकर, हनुमानगढ़, बीकानेर, भरतपुर और अजमेर के कई इलाकों में बारिश रिकॉर्ड की गई।